जालंधर, शुक्रवार 3 मई 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार
इंसान की आदत है नहीं मिले तो सब्र नहीं करता
और मिल जाएं तो कद्र नहीं करता

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

पंजाब में कहां खड़े हैं राजनीतिक दल और किस मुद्दे पर लड़ा जा रहा है चुनाव

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटों पर अंतिम चरण में एक जून को मतदान होगा. इस बार पंजाब में मुकाबला चतुष्कोणीय नजर आ रहा है. पंजाब में राजनीति करने वाले दलों ने इस बार कोई गठबंधन नहीं किया है. इस बार हर सीट पर आम आदमी पार्टी, अकाली दल , भाजपा , कांग्रेस और बसपा ने उम्मीदवार उतारे हैं. विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी की प्रतिष्ठा दांव पर है तो भाजपा मोदी मैजिक के सहारे उम्मीद से है. इस बार के चुनाव में फसलों की एमएसपी के साथ-साथ नशाखोरी, राम मंदिर और भ्रष्टाचार प्रमुख मुद्दा है.

साल 2019 के चुनाव में पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी. कैप्टन अमरिंदर सिंह राज्य के मुख्यमंत्री थे. उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने राज्य की 13 में से आठ सीटों पर कब्जा जमाया था. लेकिन अब कैप्टन के साथ-साथ कई कांग्रेसी का कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा में जा चुके हैं. वहीं कुछ ऐसा ही हाल राज्य में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी का भी है. उसके भी कई नेता भाजपा का दामन थाम चुके हैं. नेताओं की दलबदल ने भाजपा को मजबूत बनाया है. वह दूसरे दलों से आए नेताओं की बदौलत इस बार करिश्माई प्रदर्शन करने की उम्मीद में है.

पंजाब में भाजपा की कोशिश

तीन कृषि कानूनों के सवाल पर अकाली दल ने भाजपा से अपना करीब ढाई दशक पुराना गठबंधन तोड़ लिया था. इस गठबंधन में रहकर भाजपा को कुछ सीटें मिल जाती थीं, लेकिन अकालियों के अगल होने पर भाजपा ने चुनावी जीत के लिए कुछ नए रास्ते तलाशे.उसने कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह, उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद परनीत कौर, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे सुनील जाखड़, कांग्रेस नेता संतोख चौधरी की पत्नी करमजीत कौर, कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, कांग्रेस नेता तजिंदर सिंह बिट्टू और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल आदि को भाजपा में शामिल कराया.उसी तरह से आप सांसद सुशील कुमार रिंकू भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं.भाजपा ने इनमें से कई लोगों को टिकट भी मिला दिया है. इस हिंदुओं की पार्टी होने की छवि से पीछा छुड़ाने की भाजपा की कोशिश माना जा रहा है.

बाकी शेष पृष्ठ 2 पर

अकाली दल की चुनौती

वहीं पंजाब में भाजपा की पुरानी सहयोगी पार्टी के संस्थापक प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद पहली बार चुनाव मैदान में है. ऐसे में पार्टी के नए नेतृत्व सुखबीर सिंह बादल के सामने पार्टी को खड़ा करना बड़ी चुनौती है. वह भी ऐसे समय में जब पार्टी विधानसभा चुनाव में मात्र तीन सीट पर सिमट गई है. अकाली दल का समर्थन गांवों में माना जाता है. अकाली दल ने तीन कृषि कानून के नाम पर भाजपा से समझौता तोड़ लिया था. ऐसे में उसे किसानों का उसे समर्थन मिल सकता है.

पंजाब में कहा खड़ी है बसपा

अकाली दल ने पिछला लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था. लेकिन यह गठबंधन कोई कमाल नहीं दिखा पाया था. इसके बाद बसपा ने यह चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है.

बसपा ने अबतक नौ उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. पंजाब बसपा के संस्थापक कांशीराम की जन्मभूमि है.पंजाब में दलित आबादी करीब 30 फीसदी है. इसके बाद भी बसपा कभी अपेक्षित सफलता पंजाब में नहीं हासिल कर पाई है. यहां के दलित मुख्य तौर पर अकाली दल और कांग्रेस के बीच बंट हुए हैं. ऐसे में सिकुड़ते हुए जनाधार के बीच अपना आधार बढ़ाना और प्रदर्शन सुधारना बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती है.

इस बार के चुनाव में किसानों की समस्याएं एक बड़ा मुद्दा है. राज्य के किसान भाजपा को छोड़ बाकी के दलों के समर्थन में हैं.

लेकिन एमएसपी का वादा पूरा न करने की वजह से वे आम आदमी पार्टी से भी थोड़े नाराज हैं. ऐसे में कांग्रेस और अकाली दल किसानों को अपनी ओर करने में लगे हुए हैं.वहीं राज्य के शहरी इलाकों में भाजपा राम मंदिर को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है. वहीं दलबदल कराकर वह सिखों के साथ-साथ दलितों और जाट वोटों में भी सेंध लगाने की तैयारी में है.

पंजाब के चारों प्रमुख राजनीतिक दलों की रणनीति कितनी कामयाब होगी, यह तो चार जून को ही पता चल पाएगा कि किसकी रणनीति कितनी सफल होती है.

शराब पीने से किया मना, गुस्साए बेटे ने मां को लाठी से पीट-पीटकर मार डाला

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : नाथूसरी चौपटा तहसील के गांव दड़बाकलां में लाठी से पीटकर मां की हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसे न्यायालय में पेश कर हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करेगी। आरोपित विकास उर्फ विक्की ने घटना के समय काफी शराब पी रखी थी।

यह बात उसने पुलिस को भी बताई है जिसके कारण शराब के नशे में उसने इस वारदात को अंजाम दिया। नाथूसरी चौपटा थाना के एएसआई लेख राम ने बताया कि आरोपित विकास उर्फ विक्की को न्यायालय में पेश किया जाएगा। बता दें कि सोमवार रात में शराब के नशे में घर से बाहर ले जाने की जिद पर अड़े विकास उर्फ विक्की ने अपनी मां चावली देवी के रोकने पर लाठी से हमला कर दिया। इस हमले में आरोपित ने अपनी मां के सिर, मुंह, नाक सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर वार कर गंभीर घायल कर दिया।

बाकी शेष पृष्ठ 2 पर

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

‘मोटा’ होने पर पिता ने 6 साल के बेटे को जबरदस्ती ट्रेडमिल पर दौड़ाया, हुई मौत

जालंधर(काजल विज) :अमेरिका के न्यू जर्सी में एक पिता ने अपने ही हाथों से अपने 6 साल के मासूम बेटे की जान ले ली। पिता ने अपने छह वर्षीय बेटे को ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए। इसलिए मजबूर किया क्योंकि वह बहुत मोटा था, 2021 में पुरानी दुर्व्यवहार से बच्चे की मृत्यु से कुछ दिन पहले घटना का नया फुटेज सामने आया है जिसे अदालत में पेश किया गया।

मंगलवार को 31 वर्षीय क्रिस्टोफर ग्रेगोर अपने बेटे कोरी मिकसिओतो को बार-बार ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए मजबूर कर रहे थे, जबकि बच्चा अपना संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, अगर किस्टोफर ग्रेगर दोषी पाए गए तो उन्हें आजीवन कारावास की सजा होगी।

मंगलवार के मुकदमे के दौरान, जिसमें क्रिस्टोफर ग्रेगोर हत्या के आरोपों का सामना करते हुए दिखाई दिए, 20 मार्च, 2021 के अटलांटिक गुइट्स क्लबहाउस फिटनेस सेंटर के निगरानी फुटेज दिखाए गए। इसमें कोरी को ट्रेडमिल पर दौड़ते

ओर लगातार गिरते हुए दिखाया गया है. जबकि ग्रेगर उसे उठाकर वापस उस पर बिठाता रहता है।

एक बिंदु पर, क्रिस्टोफर ग्रेगर अपने बेटे को फिर से ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए मजबूर करने से पहले उसके सिर के पीछे खड़ा दिखाई दिया। लड़के की मां, ब्रीना मिकसिओलो, मुकदमे के दौरान पक्ष तेने वाती पहली गवाह थीं, और परेशान करने वाले जिम फुटेज को देखकर वह रो पड़ीं। यूएस सन आउटलेट के अनुसार, ब्रे मिकसिओलो ने अपने बेटे की मौत से कुछ दिन पहले न्यू जर्सी डिवीजन ऑफ चाइल्ड प्रोटेक्शन एंड परमानेंसी को उसके घायल होने की सूचना दी थी। जिम दौरे के कुछ दिनों बाद, ब्रीना मिकसिओतो, जिन्होंने क्रिस्टोफर ग्रेगर के साथ कोरी की कस्टडी साझा की थी, ने बच्चे की चोटों को देखा और न्यू जर्सी डिवीजन ऑफ वाइल्ड प्रोटेक्शन एंड परमानेंसी के एक केसावर्कर को इसकी सूचना दी। कोर्ट टीवी के अनुसार, वह 2 अप्रैल, 2021 को कोरी को एक डॉक्टर के पास ले गई, जहां उसने कहा कि उसके पिता ने उसे ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए मजबूर किया, क्योंकि वह बहुत मोटा था। एक तत्काल सीटी स्कैन के दौरान, कोरी को दौरे का सामना करना पड़ा, और चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा जीवन रक्षक उपायों के बावजूद, लड़के की मृत्यु हो गई। प्रारंभिक शव परीक्षण से पता चला कि कोरी मिकियोलो की मृत्यु तीव्र सूजन और सेप्सिस के साथ हृदय और यकृत की चोटों के कारण हुई।

नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप, 14 वर्षीय नाबालिग को घर से उठा ले गए, आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी

जालंधर (हिमांशु) : फाजिल्का के एक गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। जिसमें पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ पर्चा दर्ज कर एक आरोपी लवप्रीत को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। अरनीवाला पुलिस ने गैंगरेप के आरोप में पीड़िता के बयानों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 14 वर्षीय नाबालिग लड़की से गैंगरेप के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। लड़की ने बताया कि तीन आरोपी लवप्रीत सिंह, राजप्रीत सिंह, इशांतवीर मोटरसाइकिल पर आए और उसे घर से जबरदस्ती यह कहते हुए उठा ले गए कि उसके पिता की हत्या कर देंगे। आरोपी पीड़िता के गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति लखविंदर के नहर किनारे खेत में एक ढाणी पर ले गए। जहां चारों ने उससे गैंगरेप किया। बता दें कि पीड़िता एक निर्धन परिवार से संबंधित है तथा लड़को का परिवार मेहनत-मजदूरी कर घर का गुजारा चलाता है।

पृष्ठ 1 का शेष

शराब पीने से किया मना, गुस्साए बेटे ने मां को लाठी से पीट-पीटकर मार डाला

बीच बचाव करने आए पिता अमर सिंह को भी बेटे ने लाठी से पीटा और लहूलुहान हालत में दोनों को एक कमरे में बंद कर घर से बाहर चला गया। बड़े बेटे रोशन ने घर पर आने के बाद घायल मां-बाप को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान मां चावली देवी की मौत हो गई।

आरोपित की मां उसे नशा न करने और नशे में वाहन लेकर बाहर न जाने के लिए रोक रही थी। शराब के नशे धुत बेटे ने लाठी लेकर अपनी मां के सिर, मुंह, नाक व बाजुओं पर वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। गंभीर घायल मां की उपचार के दौरान जिला नागरिक अस्पताल में बुधवार सुबह मौत हो गई। बेटे की मार से मां को बचाने के लिए बीच में आए पिता को भी आरोपित ने नहीं बख्शा। उस पर भी हमला कर दिया। घटना नाथूसरी चौपटा के दड़बा कलां गांव की है। पुलिस ने आरोपित युवक के पिता की शिकायत पर हत्या के आरोप में मामला दर्ज किया था।

पृष्ठ 1 का शेष

सबूत मिटने के लिए 170 फोन तोड़े

पंजाब में कांग्रेस का संकट : वहीं कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से शुरू हुआ कांग्रेस का संकट रुकने का नाम नहीं ले रहा है.चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री रहते हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का सफाया हो गया. जहां आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीत लीं, वहीं कांग्रेस को केवल 18 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था. अब लोकसभा चुनाव में उसे अपना 2019 वाला प्रदर्शन दोहराने का दबाव है. वह भी उस स्थित में जब उसके सभी बड़े नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं. ऐसे में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर पार्टी का प्रदर्शन सुधारने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है.

आप की गारंटियां बनीं सवाल : कांग्रेस जैसा ही संकट आम आदमी पार्टी के सामने भी है. उसकी एकमात्र सीटिंग सांसद पार्टी से लोकसभा चुनाव का टिकट लेने के बाद भाजपा में शामिल हो चुका है.

राघव चड्ढा, डॉ. संदीप पाठक, हरभजन सिंह समेत सात लोगों को आप ने पंजाब से राज्य सभा में भेजा था. इनमें से पाठक छोड़कर बाकी के सांसदों का कोई अता-पता नहीं है. वह भी ऐसे समय में जब पार्टी भारी संकट से गुजर रही है. पार्टी में नेताओं की कमी ऐसी है कि राज्य के सात मंत्रियों को ही चुनाव मैदान में उतार दिया गया है.इस बार के चुनाव में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की प्रतिष्ठा भी दांव पर है और उन पर जिम्मेदारी भी बढ़ी है.अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद उन्हें दूसरे राज्यों में भी चुनाव प्रचार करने के लिए जाना पड़ रहा है. जिन गारंटियों का वादा कर आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी, उनमें से अधिकांश अब तक पूरी नहीं हो पाई हैं. किसानों को मुआवजा नहीं मिल पा रहा है. आप ने महिलाओं को एक हजार रुपये हर महीने देने और राज्य कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन का वादा किया था, लेकिन मान सरकार उसे अबतक पूरा कर पाने में नाकाम रही है. इसके साथ ही राज्य पर बढ़ता कर्ज भी एक समस्या है. हालांकि फ्री बिजली पाने वाले लोग आप के समर्थन में नजर आ रहे हैं.

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में समझौता किया है, लेकिन पंजाब में दोनों में कोई समझौता नहीं है. इस गुत्थी को जनता में समझा पाना इन दोनों दलों के लिए एक बड़ी चुनौती होगी.

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ नहीं मारा गया, अमेरिका में नाम बदलकर छिपा गोल्डी

जालंधर(नितिका) : पंजाबी सिंगर, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी गैंगस्टर सतिवंदर सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ की अमेरिका में गोलियां मारकर हत्या करने की खबरें झूठीं निकली। जैसे

ही भारतीय मीडिया में इस घटना को लेकर खबरें चलनी शुरू हुई, खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गईपंजाबी सिंगर, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी गैंगस्टर सतिवंदर सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ की अमेरिका में गोलियां मारकर हत्या करने की खबरें झूठीं निकली। जैसे ही भारतीय मीडिया में इस घटना को लेकर खबरें चलनी शुरू हुई, खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गई। बुधवार को तमाम पहलुओं एजेंसियों को प्राथमिक जांच पर देश स्तर पर मिली बुधवार को तमाम पहलुओं एजेंसियों को प्राथमिक जांच पर देश स्तर पर मिली। जानकारी में सामने आया कि अमेरिका में ऐसी कोई वारदात या इंटर गैंगवार नाही हुई है, जिसमें गोल्डी बराड़ की हत्या हुई हो। दरअसल में बुधवार सुबह अमेरिका के फेयरमोट और होल्ट एवेन्यू में मंगलवार शाम 5.25 बजे गोल्डी बराड़ को गोलियां मारने की चर्चाओं का दौर शुरु हो के गया। इसमें कहा गया था। कि बराड़ अपने एक साथी साथ घर के बाहर गली में खड़ा था। इसी दौरान कुछ बदमाश आए और गोलियां चलाई गई। यही नहीं, कुछ समय बाद गोल्डी बराड़ इ के धुर विरोधी गैंगस्टर अर्श डल्ला और लखबीर ने भी उसकी हत्या की झूठी जिम्मेदारी ले ली। दोनों गैंगस्टरों के दावे के बाद भारतीय जांच एजेंसियों ने अपने अपने सोर्स से यह कन्फर्म किया। हुई है या नहीं।

गोल्डी ने ही नार्को टेररिज्म शुरू किया सूबे में पहली बार हथियारों की तस्करी के साथ : गोल्डी ने ही नाको टेररिज्म में अपने पैर फैलाते हुए पाकिस्तानी तस्करों से हाथ मिलाया व पंजाब के रास्ते अन्य राज्यों में हेरोइन तस्करी की। विदेश में रहते हुए खालिस्तानी समर्थकों से हाथ मिलाने के चलते उसे पकड़ पाना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। 2021 में गोल्डी ने सोशल मीडिया से आपराधिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं को अपने साथ जोड़ा। यह विदेश में बैठ हाला, नथ्था व हथियारों की तस्करी का काम करणाला सहा। पिछले डेढ़ साल में पंजाब में उसी के गिरोह से 800 से अधिक रिवॉल्वर पकड़े गए।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से वंदे भारत 24 के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

पुलिस ने बारामूला में ड्रग तस्कर की 50 लाख रुपये की अवैध संपत्ति कुर्क की

जालंधर (नितिका) : अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस ने बारामूला में एक ड्रग तस्कर की 50 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

ड्रग तस्कर की पहचान बडगाम जिले के मगाम इलाके के मजहामा निवासी शब्बीर अहमद सोगी के रूप में हुई है।

कार्रवाई नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 (एनडीपीएस) की धारा 68-एफ (1) के साथ पढ़े गए 68-ई के तहत एक मामले के आधार पर की गई थी और यह एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20,22 और 29 के तहत एक मामले से जुड़ा हुआ है। कुन्ज़र पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने कहा।

बारामूला पुलिस के अनुसार, जब्त की गई संपत्तियों में नौ मरला जमीन और एक दो मंजिला आवासीय घर शामिल है। पुलिस द्वारा की गई जांच/पूछताछ के दौरान संपत्ति की पहचान अवैध रूप से अर्जित संपत्ति के रूप में की गई थी।

पुलिस ने समुदाय के सदस्यों से अपने पड़ोस में नशीली दवाओं की तस्करी के बारे में किसी भी जानकारी के साथ आगे आने का आग्रह किया।

नशीली दवाओं की तस्करी में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के तस्करों के खिलाफ हमारी लगातार कार्रवाइयों से समुदाय के सदस्यों को आश्वस्त होना चाहिए कि हम अपने समाज को नशीली दवाओं के खतरे से मुक्त रखने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

मौत का पार्सल! जैसे ही दबाया स्वच, तो बाप-बेटी की हो गई मौत, 2 बच्चों की हालत गंभीर, आखिर हुआ क्या?

जालंधर (हर्ष शर्मा) : गुजरात के साबरकांठा जिले में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पार्सल में पहुंचाए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में बृहस्पतिवार को धमाका होने से पिता और पुत्री की मौत हो गई जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. वडाली पुलिस थाने के उप निरीक्षक जितेंद्र राबड़ी ने बताया कि घटना वेद गांव में हुई.

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पार्सल एक अज्ञात व्यक्ति देकर गया था. जैसे ही इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को प्लग में लगाया गया,उसमें धमाका हो गया. जीतू वंजारा (33) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन घायल लड़कियों को वडाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और वहां से हिम्मतनगर सिविल अस्पताल ले जाया गया.

उन्होंने बताया कि वंजारा की 11 वर्षीय बेटी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दूसरी बेटी और भतीजी का उपचार किया जा रहा है.

सहायक रेजीडेंट चिकित्सा अधिकारी विपुल जानी ने बताया कि घायल लड़कियों में एक की हालत गंभीर है और उसे जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखा गया है. पीड़िता के एक परिजन ने बताया कि पार्सल ऑटोरिक्शा पर लाद कर लाया गया था. राबड़ी ने बताया कि पुलिस जांच कर रही है कि परिवार ने क्या किसी सामान का ऑर्डर दिया था.

4 जून के बाद कांग्रेस ढूंढो यात्रा शुरू करेंगे राहुल गांधी, बरेली में गृह मंत्री अमित शाह ने दिया बयान

जालंधर(जसवीर) : गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर बयान देते हुए कहा कि उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' 4 जून को 'कांग्रेस ढूंढो यात्रा' के नारे के साथ खत्म हो जाएगी। यूपी के बरेली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और सपा के अखिलेश यादव पर भी जमकर सियासी हमले बोले।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि विपक्ष के यह नेता इस डर से अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए कि इससे उनका वोट बैंक खिसक सकता है।

सपा पर लगाया वंशवाद का आरोप

अमित शाह ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा वंशवादी राजनीति करती है। गृह मंत्री ने कहा, ॐअखिलेश यादव ने मौजूदा चुनाव में अपने परिवार के पांच सदस्यों को टिकट दिया है। उन्होंने कहा कि जहां अखिलेश यादव कन्नौज से चुनाव लड़ रहे हैं और उनकी पत्नी डिंपल यादव मैनपुरी से मैदान में हैं, वहीं उनके परिवार के तीनों सदस्य अक्षय यादव, आदित्य यादव और धर्मेंद्र यादव फिरोजाबाद, बदायूं और आज़मगढ़ से दावेदार हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि अखिलेश जी खुद को यादवों का खैरख्वाह कहते हैं, लेकिन इनको अपने परिवार के सिवा कोई यादव नहीं दिखता?

गृह मंत्री अमित शाह ने इस दौरान कहा कि कांग्रेस वाले कहती है कि भारत के दो टुकड़े करो। वह देश को उत्तर भारत और दक्षिण भारत में बांटना चाहते हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने यह बयान बरेली लोकसभा में पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए दिया। उत्तर प्रदेश की बरेली लोकसभा सीट एक खास सीट मानी जाती है।

यहां तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा और नतीजे 4 जून को सामने आएंगे। बरेली लोकसभा सीट सांसद संतोष कुमार गंगवार के नाम से जानी जाती है जो यहां से 8 बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। बरेली लोकसभा में बरेली 5 विधानसभा सीटें आती हैं जिनमें- बरेली, बरेली कैंट, मीरगंज, भोजीपुरा और नवाबगंज सीटें शामिल हैं।

आम तौर पर जारी नहीं किये जा सकते गैर-जमानती वारंट : सुप्रीम कोर्ट

जालंधर (संदीप मान) : सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक हालिया फैसले में कहा है कि गैर-जमानती वारंट आम तौर पर जारी नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि आरोपी पर कोई संगीन आपराधिक आरोप न हो और उसके कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका न हो।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि हालांकि गैर-जमानती वारंट जारी करने के बारे में कोई विस्तृत दिशा-निर्देश नहीं है, शीर्ष अदालत ने कई मौकों पर टिप्पणी की है कि गैर-जमानती वारंट तब तक जारी नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि आरोपी पर कोई संगीन आपराधिक आरोप न हो और उसके कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ अथवा उसे नष्ट करने की आशंका न हो। खंडपीठ में न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी भी शामिल थे।

शीर्ष अदालत ने समन के आदेश को रद्द करते हुए कहा, इस संबंध में कानून में स्थिति स्पष्ट है कि गैर-जमानती वारंट आम तौर पर जारी नहीं किया जाना चाहिए और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को तब तक प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में ऐसा करना जरूरी न हो। लखनऊ के विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 2021 में मैनेजर सिंह के खिलाफ यह कहते हुए गैर-जमानती वारंट जारी किया था कि जमानत से पहले निजी रूप से अदालत के समक्ष उपस्थित होने से छूट का कोई प्रावधान नहीं है।

चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार आपा खो रहे कांग्रेसी नेता अधीर रंजन, पत्रकार को जड़ा थप्पड़

जालंधर(हर्ष शर्मा) : बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष व लोकसभा में संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी अपने विवादित बयानों के कारण अक्सर ही सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन अब देखा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के दौरान वह बार-बार अपना आपा खो रहे हैं। मुर्शिदाबाद के बहरमपुर से कांग्रेस उम्मीदवार अधीर चौधरी पर इस बार चुनाव प्रचार के दौरान एक पत्रकार को थप्पड़ मारने का आरोप लगा है।

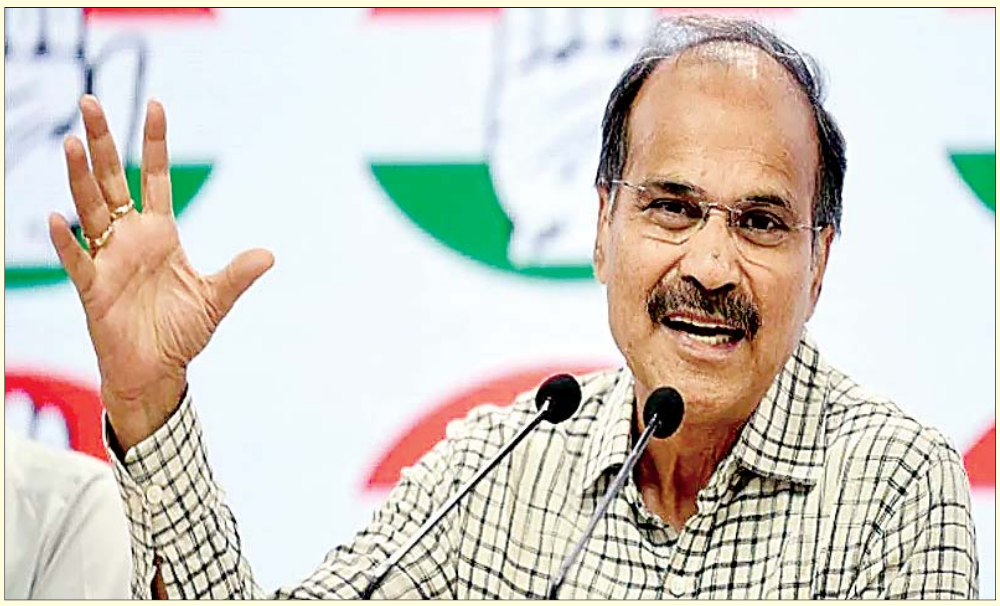

जानकारी के मुताबिक, कांडी अनुमंडल के कुली बरोआ इलाके में चुनाव प्रचार के बाद बाहर निकलने के दौरान एक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रिपोर्टर ने अधीर से सवाल किया कि क्या आपने कहा है कि टीएमसी के बदले भाजपा को ही वोट दे दें तो ज्यादा अच्छा है। आरोप है कि इसके बाद ही अधीर ने अपना आपा खो दिया और उन्होंने पत्रकार धक्का देने के साथ थप्पड़ जड़ दिया। हालांकि, अधीर ने इन आरोपों से इनकार किया है। बता दें कि गत दिनों एक सभा में अधीर ने कहा था कि तृणमूल को वोट देना भाजपा को वोट देने के समान है और उसे वोट देने से अच्छा है कि भाजपा को ही वोट दे दें। हालांकि, बाद में उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा व टीएमसी किसी को वोट न दें।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले रोड शो के दौरान उन पर नारेबाजी करने वाले एक तृणमूल कार्यकर्ता को थप्पड़ मारने का आरोप लगा था। इसके बाद पिछले सप्ताह बुधवार को रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान मुर्शिदाबाद में जब हिंसा हुई थी और घायलों को देखने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अस्पताल पहुंचे तो वहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध किया था। उस समय कैमरे के सामने उन्होंने एक भाजपा कार्यकर्ता को धक्का दे दिया था। पिछले शनिवार को फिर से नउदा इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान अधीर के सामने तृणमूल कार्यकर्ता 'गो बैक' नारे लगाने लगे तो वे उनसे भिड़ गए। इस दौरान कांग्रेस और तृणमूल कार्यकर्ताओं की धक्कामुक्की भी हुई थी।

चुनाव आयोग की एडवाइजरी, सर्वे की आड़ में मतदाताओं की डिटेल मांगना बंद करें, उन्हें लालच न दें

जालंधर (संदीप मान) : लोकसभा चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग ने एक एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने जारी अपनी एडवाइजरी में सख्त हिदायत दी है कि वो सर्वे के नाम पर मतदाताओं से चुनाव के बाद फायदे वाले स्कीम से जुड़ा पंजीकरण कराना बंद करें। आयोग का मानना है कि ऐसे सर्वे से वोटिंग प्रभावित होती है।

चुनाव आयोग ने कहा है कि इस तरह की गतिविधियों को गंभीरता से लिया गया है। पार्टियां और उम्मीदवार सर्वे की आड़ में मतदाताओं का विवरण मांग रहे हैं। इसे तुरंत बंद कर देना चाहिए। आयोग ने कहा कि इसके जरिए मतदाताओं को पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जाता है जो एक तरह से प्रलोभन है। ऐसे मामले में चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

चुनाव आयोग की ओर से जारी एडवाइजरी में जिन गतिविधियों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया गया है उनमें ये

गतिविधियां शामिल हैं :

1. समाचार पत्रों में विज्ञापन के जरिए वोटर्स को मोबाइल पर मिस्ड कॉल देकर या टेलीफोन नंबर पर कॉल कर लाभ के लिए खुद को पंजीकृत करने के लिए कहना,
2. गारंटी कार्डों के लिए पैम्फलेट द्वारा व्यक्तिगत लाभ चाहने वालों से उनका विवरण जैसे नाम, उम्र, पता, मोबाइल नंबर, बूथ संख्या, निर्वाचन क्षेत्र का नाम और संख्या आदि मांगना,
3. मतदाताओं की जानकारी जैसे नाम, राशन कार्ड नंबर, पता, फोन नंबर, बूथ नंबर, बैंक खाता नंबर, मांगने वाले फॉर्म का वितरण कराना,
4. वेब प्लेटफॉर्म या वेब/मोबाइल एप्लिकेशन का प्रचार या प्रसार का इस्तेमाल राजनीतिक दलों/उम्मीदवारों द्वारा करना और इसके जरिए मतदाताओं का विवरण जैसे नाम, पता, फोन नंबर, बूथ नंबर, निर्वाचन क्षेत्र का नाम और नंबर आदि मांगा जाना,
5. लोगों से उन्हें मिल रही लाभकारी योजनाओं के साथ-साथ नाम, पति/पिता का नाम, संपर्क नंबर, पता आदि के बारे में जानकारी जुटाना।

भाजपा ने बृजभूषण सिंह के बेटे को दिया टिकट, रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली : भाजपा ने उत्तर प्रदेश के कैसरगंज लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काटकर उनके बेटे करण भूषण सिंह को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी ने इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल लोकसभा सीट रायबरेली से अपने उम्मीदवार का नाम भी घोषित कर दिया है। पार्टी ने योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से लोकसभा उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

पार्टी ने गुरुवार को लोकसभा उम्मीदवारों की 17 वीं सूची जारी कर इन दोनों उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। वहीं इसके साथ ही भाजपा ने ओडिशा विधानसभा चुनाव को लेकर भी अपने 6 उम्मीदवारों की पांचवी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने घासीपुरा विधानसभा से शंभूनाथ राउत, भोगराई से आशीष पात्रा, भंडारीपोखरि से सुधांशु नायक, बरी से उमेश चंद्र जेना, बाराबती कटक से पूर्णचंद्र महापात्र और बेगुनिया विधानसभा से प्रकाश चंद्र रणबिजुली को चुनावी मैदान में उतारा है।